BACHELOR OF EDUCATION
Term-End Examination
February, 2021

ES-332: PSYCHOLOGY OF LEARNING AND DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All **four** questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Critically discuss the humanistic approach to learning and its implications for the teaching-learning process.

OR

Explain the various theories of motivation. Discuss the importance of these theories for the teaching-learning process.

2. Answer the following question in about 600 words :

What is the meaning and importance of divergent thinking ? How will you identify a creative child and cater to her/his needs in the school context ?

OR

What is academic achievement ? In the context of the Matthew Effect, discuss the major strategies to cope with the differences in academic achievement.

3. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Differentiate among guidance, counselling and psychotherapy.

(b) Explain the teacher's role in improving group relationships in the class.

(c) Explain the terms 'self-concept', 'self-esteem' and 'self-image'.

(d) Elaborate on the influence of social and cultural factors on learning of children.

(e) Describe the affective domain of learning.

(f) Explain the stages of cognitive development as given by Piaget. How will this knowledge help a teacher ?

4. Answer the following question in about 600 words :

Describe the types of guidance services. As a teacher-counsellor in school, how will you organize school guidance services catering to the needs of backward students, gifted students and creative students ?

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम
सत्रांत परीक्षा
फरवरी, 2021

ई.एस.-332 : अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी* ***चारों*** *प्रश्न अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

अधिगम के मानवतावादी उपागम तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में इसकी उपादेयताओं की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए ।

अथवा

प्रेरणा के विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए । शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में इन सिद्धांतों के महत्त्व पर चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

अपसारी चिन्तन का अर्थ एवं महत्त्व क्या है ? आप एक सृजनात्मक बच्चे की पहचान कैसे करेंगे और विद्यालयी संदर्भ में उसकी आवश्यकताओं को कैसे पूरा करेंगे ?

अथवा

शैक्षिक उपलब्धि क्या है ? 'मैथ्यू प्रभाव' के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि में भिन्नताओं से निपटने की प्रमुख युक्तियों की चर्चा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) निर्देशन, परामर्श एवं मनोचिकित्सा में अन्तर बताइए ।

(ख) कक्षा में सामूहिक सम्बन्ध सुधारने में शिक्षक की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'आत्म-प्रत्यय', 'आत्म-सम्मान' तथा 'आत्म-प्रतिबिम्ब' के संप्रत्ययों की व्याख्या कीजिए ।

(घ) बच्चों में अधिगम पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों के प्रभावों को विस्तार से बताइए ।

(ङ) अधिगम के भावात्मक आयाम का वर्णन कीजिए ।

(च) पियाज़े द्वारा दी गई संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए । यह ज्ञान शिक्षक की मदद कैसे करेगा ?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

निर्देशन सेवाओं के प्रकारों का वर्णन कीजिए । विद्यालय में एक शिक्षक-परामर्शदाता के रूप में आप पिछड़े विद्यार्थियों, मेधावी विद्यार्थियों तथा सृजनात्मक विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विद्यालय निर्देशन सेवाओं का आयोजन कैसे करेंगे ?